बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण पर एक अध्ययन

Dr. (Smt) Nisha Shrivastava (HOD, Education Dept.)
Smt. Hiteshwari Ravte (Asst. Professor, Education Dept.)
Leena Dewangan (M.Ed. Student)
Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalay, Durg(C.G.)

सारांश– प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण पर एक अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण पर एक अध्ययन है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के बी.एड. महाविद्यालय के 80 महिला प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया है। अध्ययन की परिसीमा कला ज्ञान एवं पारिवारिक वातावरण तक सीमित है। पारिवारिक वातावरण के 8 आयाम तक सीमित है। कला ज्ञान का परीक्षण रिचा शर्मा द्वारा निर्मित एवं पारिवारिक वातावरण परीक्षण हरप्रीत भाटिया एवं एन.के. चड्ढा द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण हेतु सहसंबंध ज्ञात किया गया है।

प्रस्तावना– गरविस (2009) सेवापूर्व शिक्षकों के आत्म सामर्थ्य में कला शिक्षण में सुधार का अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार सेवापूर्व शिक्षकों के आत्म सामर्थ्य में कला शिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। कला शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। **कुलपन एवं हौर्फट (2009)** हर तरफ निरंतर ज्ञान में सृजनात्मकता अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार निरंतर ज्ञान में सृजनात्मकता की आवश्यकता है। शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों के लिए सृजनात्मकता की आवश्यकता है। **कलोप्पर (2009)** सृजनात्मक कला के अत्यावश्यक सीखने के क्षेत्र में शिक्षण एवं सीखने का अरेखीय प्रस्ताव का अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार अनुशासन एवं उदाहरण को महत्वपूर्ण बताया है। सृजनात्मक कला में शिक्षण मॉडल को विद्यार्थी के लिए आवश्यक माना है। **सिंह (2010)** पारिवारिक वातावरण एवं आत्मप्रत्यय और उपलब्धि का अध्ययन किया इन्होने यह निष्कर्ष निकाला कि पारिवारिक वातावरण एवं आत्मप्रत्यय और उपलब्धि पर सार्थक पाया गया। **कौर (2013)** अभिभावक एवं बालक के संबंध का पारिवारिक वातावरण पर प्रभाव का अध्ययन किया इन्होने यह निष्कर्ष निकाला कि विभिन्न प्रकार के विद्यालय में माता पिता के व्यवहार में सार्थक अंतर पाया गया। **मितचेल (2015)** माध्यमिक परीक्षा के अभ्यास में दृष्टि संबंधी कला शिक्षण अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार कक्षा के शिक्षण अभ्यास में दृष्टि संबंधी कला शिक्षण का महत्वपूर्ण योगदान है। सेवापूर्व एवं सेवा में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अध्ययनों के आधार पर सिद्ध होता है कि शिक्षा में कला ज्ञान एवं पारिवररिक वातावरण का प्रयोग करने से परिर्वतन होता है।

उद्देश्य–

- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम एक जुटता पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति और देखभाल पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम सक्रिय मनोरंजन उन्नमुखीकरण पर अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
- बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण पर अध्ययन करना।

न्यादर्श– प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के बी.एड. महाविद्यालय के 80 महिला प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया है।

परिसीमा– कला ज्ञान एवं पारिवारिक वातावरण तक सीमित है। अध्ययन पारिवारिक वातावरण के 8 आयाम तक सीमित है एवं विश्लेषण हेतु सहसंबंध ज्ञात किया गया है।

उपकरण–प्रस्तुत शोध में कला ज्ञान का परीक्षण रिचा शर्मा द्वारा निर्मित एवं पारिवारिक वातावरण परीक्षण हरप्रीत भाटिया एवं एन.के. चड्ढा द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पना एवं विश्लेषण–

$H_{0\,1}$:– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक.1

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	– 0.005••
2	पारिवारिक वातावरण		262.98	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक संबंध नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 1 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 0.005 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{02} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम एक जुटता पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 2

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	0.001••
2	पारिवारिक वातावरण		55.45	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 2 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान 0.001 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम एक जुटता पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{03} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 3

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	–1.358••
2	पारिवारिक वातावरण		30.22	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 3 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 1.358 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम अभिव्यक्ति पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{04} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 4

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	–0.012••
2	पारिवारिक वातावरण		43	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 4 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 0.012 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम संघर्ष पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{05} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति और देखभाल पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 5

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	–1.769••
2	पारिवारिक वातावरण		44.32	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 5 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 1.769 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वीकृति और देखभाल पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{06} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 6

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	–0.004••
2	पारिवारिक वातावरण		32.92	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 6 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 0.004 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम स्वतंत्रता पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{07} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम सक्रिय मनोरंजन उन्नमुखीकरण पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 7

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	4.658**
2	पारिवारिक वातावरण		32.42	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P <0.05 सार्थक है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 7 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान 4.658 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम सक्रिय मनोरंजन उन्नमुखीकरण पर सार्थक संबंध पाया गया। अतः परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

H_{08} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 8

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	–0.009••
2	पारिवारिक वातावरण		8.37	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 8 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 0.009 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम संगठन पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है

H_{09} :– बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण पर संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक 9

क्र.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	सहसंबंध
1	कला ज्ञान	80	15.8	–0.005••
2	पारिवारिक वातावरण		16.26	
स्वतंत्रता कोटि df = 78 P >0.05 सार्थक नही है				
**0.01 स्तर पर सार्थकता, *0.05 स्तर पर सार्थकता, •• Not Significant				

सारणी क्रमांक – 9 का अवलोकन करने पर df =78 पर r का मान – 0.005 प्राप्त हुआ। 0.05 स्तर पर r का मान सार्थक संबंध नही है। अतः स्पष्ट है कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में कला ज्ञान का उनके पारिवारिक वातावरण के आयाम नियंत्रण पर सार्थक संबंध नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है।

सुझाव–

- विद्यालय में शिक्षण के लिए कला ज्ञान एवं पारिवारिक वातावरण कक्ष बनाया जाना चाहिए।
- प्रत्येक साल में बच्चों के लिए कला ज्ञान एवं पारिवारिक वातावरण सिखाने का कार्यक्रम रखा जाना चाहिये।
- विद्यालयों में कला ज्ञान एवं पारिवारिक वातावरण से संबंधित संगोष्ठी, समाचार, सम्मेलन का आयोजन किया जाना चाहिए।
- विद्यालयों को कला ज्ञान एवं पारिवारिक वातावरण से संबंधित अंतरशालाये प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना चाहिए।

संदर्भित ग्रंथ सूची

Culpan ,A.,& Hoffert,B.(2009),Creativity Across The Knowledge Continuum , *Journal Of Artistic And Creative Education (Jace)* , Volume 3 | Number 1 | ,P-8

Dagar, B. S. (2009). *Teaching And Learning Psychology.* Agra: Agrawal Publication,5-6.

Garvis,S. (2009) ,Improving The Teaching Of The Arts: Pre- Service Teacher Self Efficacy Towards Arts Education , *Us-China Education Review*, Issn 1548-6613, Volume 6, No.12 (Serial No.61) , Australia Usa , P-23-28

Goyal, R. (2010). *Social Foundation Of Education.* Prenna Prakashan,156-157.

Kishor, A. *Art Education And Work Experience.* Agra: Agrawal Publication,29-35.

Klopper,C.(2009) ,A Non-Linear Approach To Teaching And Learning In The Key Learning Area Creative Arts , *Journal Of Artistic And Creative Education (Jace)* , Volume 3 | Number 1,P-30

Kumar, V. (2004). *World Perspective On Teacher Education.* Sanjay Prakashan,1-5.